मार्गदर्शन में प्रमाण पत्र (सी.आई.जी.)
सत्रीय कार्य
जनवरी तथा जुलाई 2022

एन.ई.एस. – 101 : प्राथमिक विद्यालय का बालक : एक अध्ययन

निम्नलिखित मे से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. बच्चों की संवृद्धि तथा विकास में आनुवंशिक कारकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

2. बच्चों में नैतिक विकास के स्वरूप (पैटर्न) तथा इस प्रक्रिया में अभिभावकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

3. उन विभिन्न क्रियाकलापों को विस्तार से बताइये जिनकी योजना विद्यालय में प्रभावी मार्गदर्शन कार्यक्रम के लिए बनायी जा सकती है।

एन.ई.एस.– 102 : संवृद्धि तथा विकास को सुगम बनाना

निम्नलिखित प्रत्येक का उत्तर लगभग 500 शब्दों में कीजिए।

1. बढ़ते बच्चों की मूलभूत आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए। बच्चों की आवश्यकताओं का वंचन होने से उन पर क्या प्रभाव पड़ता है।

2. बच्चों में जनसंचार माध्यम के सकारात्मक तथा नकारात्मक प्रभावों को उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिए।

3. प्रभावशाली बच्चों की विशेषताएँ समझाइए। अध्यापक बच्चों में प्रतिभा तथा सृजनात्मकता को संबंधित करने में कैसे मदद कर सकते हैं?

बी.ई.एस.– 103 : बच्चों के अधिगम के लिए मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. अनुकूलन क्या है? शास्त्रीय तथा क्रियाप्रसूतक अनुकूलन द्वारा अधिगम की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

2. बच्चों की अधिगम समस्याओं में सहायता हेतु उपचार कैसे सहायता करता है? किसी एक अधिगम समस्या हेतु एक उपचारात्मक रणनीति का निर्माण कीजिए।

3. बच्चों में लेखन कौशल का विकास किस प्रकार किया जा सकता है? उपयुक्त उदाहरणों द्वारा चर्चा कीजिए।

बी.ई.एस.– 104 : बच्चों के सामाजिक–संवेगात्मक विकास में मार्गदर्शन

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. उत्तर बाल्यावस्था की विकास संबंधी आवश्यकताओं की व्याख्या कीजिए।

2. बच्चों में वाक् दोष के विभिन्न कारणों की व्याख्या कीजिए।

3. बच्चें में चिन्ता तथा भय के कारणों और लक्षणों की चर्चा कीजिए और घर पर तथा विद्यालय में ऐसे विकारों की रोकथाम के लिए उपाय सुझाइए।